श्री लिंगाष्टकम

ब्रह्ममुरारिसुरार्चित लिंग निर्मलभाषितशोभित लिग |
जन्मजदुःखविनाशक लिग तत्प्रणमामि सदाशिव लिंग॥ १

मैं उन सदाशिव लिग को प्रणाम करता हूँ जिनकी ब्रह्मा, विष्णु एवं देवताओं द्वारा अर्चना की जाति है, जो सदैव निर्मल भाषाओं द्वारा पुजित हैं तथा जो लिग जन्म-मृत्यू के चक्र का विनाश करता है (मोक्ष प्रदान करता है)

देवमुनिप्रवरार्चित लिंग, कामदहं करुणाकर लिंग|
रावणदर्पविनाशन लिंग तत्प्रणमामि सदाशिव लिंग॥ २

देवताओं और मुनियों द्वारा पुजित लिंग, जो काम का दमन करता है तथा करूणामयं शिव का स्वरूप है, जिसने रावण के अभिमान का भी नाश किया, उन सदाशिव लिग को मैं प्रणाम करता हूँ।

सर्वसुगंन्धिसुलेपित लिंग, बुद्धिविवर्धनकारण लिंग|
सिद्धिसुरासुरवन्दित लिंग, तत्प्रणमामि सदाशिव लिंग॥ ३

सभी प्रकार के सुगंधित पदार्थों द्वारा सुलेपित लिग, जो कि बुद्धि का विकास करने वाल है तथा, सिद्धि- सुर (देवताओं) एवं असुरों सबों के लिए वन्दित है, उन सदाशिव लिंक को प्रणाम।

कनकमहामणिभूषित लिंग, फणिपतिवेष्टितशोभित लिंग|
दक्षसुयज्ञविनाशन लिंग, तत्प्रणमामि सदाशिव लिंग॥ ४

स्वर्ण एवं महामणियों से विभूषित, एवं सर्पों के स्वामी से शोभित सदाशिव लिग जो कि दक्ष के यज्ञ का विनाश करने वाल है ; आपको प्रणाम।

कुंकुमचंदनलेपित लिंग, पंङ्कजहारसुशोभित लिंग|
संञ्चितपापविनाशिन लिंग, तत्प्रणमामि सदाशिव लिंग॥ ५

कुंकुम एवं चन्दन से शोभायमान, कमल हार से शोभायमान सदाशिव लिग जो कि सारे संञ्चित पापों से मुक्ति प्रदान करने वाला है, उन सदाशिव लिग को प्रणाम ।

देवगणार्चितसेवित लिग, भवैर्भक्तिभिरेवच लिंग|
दिनकरकोटिप्रभाकर लिंग, तत्प्रणमामि सदाशिव लिंग॥ ६

आप सदाशिव लिग को प्रणाम जो कि सभी देवों एवं गणों द्वारा शुद्ध विचार एवं भावों द्वारा पुजित है तथा जो करोडों सूर्य सामान प्रकाशित हैं।

अष्टदलोपरिवेष्टित लिंग, सर्वसमुद्भवकारण लिंग|
अष्टदरिद्रविनाशित लिंग, तत्प्रणमामि सदाशिव लिंग॥ ७

आठों दलों में मान्य, एवं आठों प्रकार के दरिद्रता का नाश करने वाले सदाशिव लिग सभी प्रकार के सृजन के परम कारण हैं – आप सदाशिव लिग को प्रणाम।

सुरगुरूसुरवरपूजित लिंग, सुरवनपुष्पसदार्चित लिंग|
परात्परं परमात्मक लिंग, ततप्रणमामि सदाशिव लिंग||

दवताओं एवं देव गुरू द्वारा स्वर्ग के वाटकिा के पुष्पों से पुजति परमात्मा स्वरूप जो कसिभी व्याख्याओं से परे है – उन सदाशवि लगिं को प्रणाम।